9. विशेषण

विशेषण यानी विशेष बात। विशेषण किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान सभी चीज़ों की विशेषता बताते हैं। जो शब्द संज्ञा शब्द के बारे में बताता है कि वह कैसा और कितना है, वह विशेषण कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि विशेषण गुण-दोष, संख्या, मात्रा, रंग, स्वाद आदि सब के बारे में बताते हैं।
- ❖ पाठ पृष्ठ 38 पर दिए चित्र को दिखाकर उसके वाक्य पढ़वाएँ। फिर उन वाक्यों पर आधारित प्रश्न पृष्ठ 39 बच्चों से पूछें और प्रश्नों के उत्तर में आए वाक्य पढ़ें विशेषण शब्द बताएँ।
- ❖ समझाएँ, विशेषण प्राणी, वस्तुओं के कैसा या कितना के बारे में बताते हैं।
- ❖ कक्षा या विद्यालय से जुड़ी वस्तुओं, व्यक्तियों आदि की कुछ विशेष बात बताने को कहें। जैसे-विद्यालय का बगीचा कैसा है? कक्षा का बोर्ड कैसा है? दीवारों पर कैसा रंग है? अथवा विद्यालय की यूनिफॉर्म का रंग कैसा है? आदि प्रश्न पूछकर बच्चों की रोचकता को बनाए रखने के साथ-साथ उनकी स्वयं अवलोकन करके उत्तर देने की क्षमता को बढ़ाएँ।
- ❖ बातचीत द्वारा विशेषण समझाने का प्रयास करें, जैसे-आपको खाने में क्या-क्या पसंद है तथा क्यों? बच्चे उत्तर देते हुए उन वस्तुओं की विशेषता बताएँगे जिन्हें वे खाना पसंद करते हैं। इस प्रकार विशेषण सरलता से समझाए जा सकते हैं।
- ❖ सुनिश्चित करें कि बच्चे आपकी बात को भली-भाँति समझ पा रहे हैं।
- ❖ विशेषण की परिभाषा याद करवाएँ।
- ❖ पाठ में दिए विशेषण शब्दों को ज़ोर-ज़ोर से पढ़वाएँ।
- ❖ प्रत्येक बच्चे को पढ़ने का अवसर दें।
- ❖ 'आपने सीखा' द्वारा पाठ विषय की दोहराई करवाएँ।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाएँ, यथासंभव सहायता भी करें।